महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं नैक तैयारी की प्रगति एवं समीक्षा बैठक

दिनांक 28 सितम्बर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेई की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं नैक तैयारी की प्रगति एवं समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विशेषज्ञ के रूप में प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह, पूर्व अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग व पूर्व अध्यक्ष नैक नई दिल्ली, डॉ. जी. एन. सिंह पूर्व औषधि महानियंत्रक भारत, प्रो. बिजेंद्र सिंह कुलपति नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या, प्रो. राजेश सिंह पूर्व कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्विद्यालय गोरखपुर, श्री आशीष श्रीवास्तव वरिष्ठ वैज्ञानिक अन्तर्राष्ट्रीय चावल शोध संस्थान वाराणसी सहित विश्वविद्यालय के नैक स्टीयरिंग समिति के समस्त पदाधिकारी, समस्त प्राचार्य/अधिष्ठाता एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, प्रो सुनील कुमार, डॉ मंजूनाथ एनएस, श्रीमती प्रिंसी जी, डॉ गोपीकृष्ण, डॉ विमल कुमार दूबे, डॉ शशिकांत सिंह, डॉ सुमित कुमार एम, श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव, डॉ अनुपमा ओझा, डॉ शिवम कुमार प्रजापति, डॉ आयुष कुमार पाठक, सुश्री श्वेता अलवर्ट सहित एमपी पीजी कालेज के उप प्राचार्य डॉ विजय कुमार चौधरी एवं डॉ अभिषेक वर्मा आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव श्रीकान्त के हवाले से बताया गया है गोरक्षपीठाधिशवर पूज्य महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा वर्ष 2021 में स्थापित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर लोककल्याणार्थ संचालित है विश्वविद्यालय प्रगतिपथ पर अनवरत प्रयत्नशील है । विश्वविद्यालय नैक के मानकानुसार अपने शैशवावस्था से नैक मूल्यांकन की तैयारी शुरू कर दिया है। स्थापना के समय वर्ष 2021 में 15 पाठ्यक्रमों के साथ संचालन प्रारम्भ हुआ और वर्ष 2023 में कुल 21 पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। बैठक के दौरान प्रो. राजेश सिंह तथा प्रो. बिजेंद्र सिंह अपने विश्वविद्यालय के नैक मूल्यांकन हेतु किए गए प्रयासों को साझा किया तथा यह सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय अभी आनलाईन व आफलाइन डाकूमेंटेशन शुरू कर दे तो निश्चय ही नैक की अर्हता पूरी करने के समय नैक मूल्यांकन के समय सफलता मिलेगी।

प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह ने अपने सम्बोधन में नैक हेतु निर्धारित सभी मापदंडों को पूरा करने तथा विश्वविद्यालय में अधिक से अधिक सेमीनार/कांफ्रेंस आयोजित कराये जाने तथा शिक्षकों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में शोध पत्र प्रकाशित किए जाने पर बल दिया। साथ ही साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की गाइड लाइन के अनुसार तैयारी करने तथा इनकयूबेशन एवं इन्नोवेशन सेंटर की स्थापना करने व इंडियन नॉलेज सिस्टम पर पाठ्यक्रम चलाये जाने पर जोर दिया जाए।

प्रो. सुनील कुमार समन्वयक नैक स्टीयरिंग समिति द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों एवं शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम्
2021

महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम्
2021

.